केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450, 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 219 गुरूवार 29 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दलित छात्र के मौत मामले में 25 पर मुकदमा

रामपुर (आभा)। रामपुर के मिलक क्षेत्र में आंबेडकर प्रतिमा लगाने को लेकर हुए विवाद में दलित छात्र की गोली लगने से मौत के मामले में चौकी प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों समेत 25 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें तीन सिपाही, एसडीएम और तहसीलदार के दो हमराह सहित 19 ग्रामीणों के नाम शामिल हैं। डीएम ने इस मामले में मजिस्ट्रीयल जांच के आदेश देते हुए पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया है। गांव में तनाव के मद्देनजर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। उधर, भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर भी गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी।

मिलक कोतवाली क्षेत्र के सिलई बड़ा गांव में गंगवार और जाटव समाज के कुछ लोगों के बीच सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर विवाद चला आ रहा था। प्रशासन ने 15 दिन पहले अवैध कब्जा हटवा दिया था। करीब 10 दिन पहले संबंधित जमीन पर डा. आंबेडकर का बोर्ड लगा दिया गया था। इसकी गंगवार समाज के कुछ लोगों ने फिर शिकायत की। इसी शिकायत पर मंगलवार को आंबेडकर का बोर्ड समेत अवैध कब्जा हटवाने के लिए राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने शाम को कब्जा हटवाने का प्रयास किया तो यहां पथराव हो गया था।

75 हजार रूपये की साइबर ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली क्षेत्र के बैरिहवा निवासी अजय श्रीवास्तव के खाते से साइबर ठगों ने 75 हजार रुपये पारकर दिया। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पास साइबर ठगों ने फोन करके गुमराह किया और 15 बार में कुल 75 हजार रुपये यूपीआई के जरिए ट्रांसफर करा लिए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्जकर घटना की छानबीन शुरू कर दी है।

सिंचाई बंधु की बैठके में उठे जमीनी मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अधिकारीगण शासन द्वारा संचालित योजनाओं से किसानों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित करायें। विकास भवन सभाकक्ष में सिंचाई बन्धु समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए उपाध्यक्ष गजेन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि सरकार किसानों के हित में विविध योजनाओं के माध्यम से उनकी आय बढाने हेतु सतत कार्य कर रही है। उन्होने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि समय–समय पर किसानों को उन्नति खेती करने के लिए जागरूक करें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि कटी नहरों का कार्य समय से पूर्ण करते हुए रिपोर्ट आख्या उपलब्ध करायें।

बैठक में उन्होने पाया कि जिला योजना के तहत 14 नालियों का कार्य पूर्ण है। इस संबंध में उन्होने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्ण 14 कार्यो का सूची उपलब्ध कराये। उन्होने कहा कि कृषि, सिंचाई, उद्यान, नलकूप, गन्ना, भू–गर्भ सहित सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के आवंटित लक्ष्य को पूरा करायें। गन्ना मूल्य भुगतान के संबंध में उन्होने संबंधित विभागीय अधिकारी को निर्देश दिया है कि किसानों का बकाया भुगतान समयान्तर्गत पूर्ण करायें। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि बैठक में दिये गये निर्देशों का अनुपालन आख्या जनप्रतिनिधियों को अवश्य प्रेषित की जाय।

विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर ने कहा है कि विभागावार पूर्ण हो चुके कार्यो का विवरण सहित सूची उपलब्ध करायी जाय। बैठक में विधायक प्रतिनिधि सदर शैलेन्द्र दुबे, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, विद्युत के महेन्द्र मिश्रा, नलकूप के संतलाल, उद्यान निरीक्षक भानुप्रताप त्रिपाठी तथा संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

हिंमाचल में फिलहाल बच गई कांग्रेस सरकारः दांव पेंच जारी

शिमला (आभा)। हिमाचल प्रदेश में जारी सियासी संकट पर कांग्रेस को बड़ी राहत मिली है। विधानसभा में बुधवार को विपक्ष की अनुपस्थिति में हिमाचल प्रदेश विनियोग विधेयक 2024 को पारित कर दिया गया। 15 भाजपा विधायकों के निष्कासन और अन्य 10 के वॉकआउट के बाद सुक्खू सरकार ने बजट को सदन से पास करा लिया और विधानसभा सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार के गिरने का खतरा फिलहाल टल गया है। हालांकि, खतरा बरकरार है और बागी गुट को मनाए जाने तक अनिश्चितता बनी रहेगी।

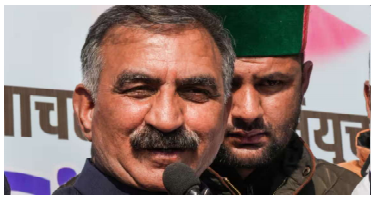

बुधवार दोपहर भोजन के बाद विधानसभा की कार्यवाही आरंभ हुई। भाजपा के 15 निष्कासित विधानसभा सदन में नहीं आए। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा के वरिष्ठ विधायक सतपाल सत्ती ने भाजपा के विधायकों के निष्कासन का मुद्दा सदन में उठाया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन में कहा कि भाजपा विधायकों के निष्कासन के दौरान किए हंगामे के चलते इनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि हिमाचल में चाहे फौजी लगाओ, सीआरपीएफ लगाओ यह जनता को नहीं डरा सकते हैं। राज्यसभा चुनाव में भाजपा द्रव्य से जीती है, जिन्होंने नियमों को तोड़ा है उन पर कार्रवाई की जाए।

जिस पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि भाजपा के 15 विधायकों का निष्कासन किया गया है। इन विधायकों ने सदन की परंपराओं को तोड़ा है जो कि दुखद है। सदन में जो आज हंगामा हुआ है उसे पर जो भी नियमानुसार भविष्य में कार्रवाई की जाएगी। वहीं संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान सदन के स्थगित होने के बाद भी बैठे रहे और हो–हल्ला करते रहे। उन्होंने कहा कि यह नियमों के खिलाफ है और इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं भाजपा विधायक सतपाल सती ने कहा कि सरकार अल्पमत में आ गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि 15 विधायकों को निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के 15 सदस्यों को निकाला गया है इसलिए हम भी सदन में नहीं रहना चाहते इसके साथ भाजपा सदन से बहिर्गमन कर गई।

इस बीच कांग्रेस पार्टी के पर्यवेक्षक भूपेंद्र सिंह हुड्डा और डीके शिवकुमार शिमला पहुंच गए हैं। दोनों नेता यहां कांग्रेस के सभी विधायकों से मुलाकात करेंगे और उनसे फीडबैक लेकर रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस रिपोर्ट के आधार पर पार्टी हाईकमान की ओर से कुछ बड़ा फैसला किया जा सकता है। बागी गुट की ओर से नेतृत्व परिवर्तन की मांग भी उठाई गई है। बुधवार को ही पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे और सुक्खू सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पार्टी में दो खेमों में बंटती दिख रही है।

विक्रमादित्य सिंह ने अपने पिता को सम्मान नहीं दिए जाने और अपने अपमान का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधायकों की अनदेखी की वजह से यह नौबत आई है। हालांकि, उन्होंने भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज किया है। उन्होंने कहा, 'अभी तक ऐसा कुछ नहीं है.. मैं हमेशा जो भी कहता हूं वह तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर कहता हूं..ऐसा कुछ नहीं है, यह सब अफवाह है। मैं सच बोलता हूं और बिना राजनीतिक मिलावट के कहता हूं। जो भी हमें कहना होगा हम साफ तरह से कहेंगे।'

26 सफल प्रशिक्षार्थियों में प्रमाण पत्र का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत ओ लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण के 26 सफल प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।

उक्त जानकारी पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता ने दिया है। उन्होंने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस, एडीएम कमलेश चंद्र, सांसद प्रतिनिधि जगदीश शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि गुलाबचंद सोनकर, शैलेन्द्र दुबे, सरोज मिश्रा तथा प्रशिक्षार्थी गण उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि इंस्टिट्यूट ऑफ कंप्यूटर, कटरा चुंगी के 15 तथा कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी मालवीय रोड के 11 सफल प्रशिक्षार्थियों को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

कुर्मी महासभा ने किया छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय कुर्मी महासभा पदाधिकारियों ने बुधवार को जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को ज्ञापन सौंपा। डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपे ज्ञापन में मांग किया गया है कि बस्ती– गोरखपुर मार्ग पर जिगिना तिराहे के निकट महान समाज सुधारक छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति लगवाई जाय। इसके साथ ही कुंआनो नदी के अमहट घाट पुल के पास स्थापित भारत रत्न सरदार बल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के निकट साफ–सफाई कराकर परिसर का सौन्दर्यीकरण कराया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में भारतीय कुर्मी महासभा के मण्डल अध्यक्ष हनुमान प्रसाद चौधरी, डा. आर.के. सिंह पटेल, डा. एच.पी. चौधरी, बद्री प्रसाद चौधरी, के.सी. चौधरी, अभिषेक चौधरी, विद्यासागर चौधरी, प्रमोद चौधरी, कृपाशंकर चौधरी, रमेश चन्द्र, कल्याण चौधरी, शिवकुमार चौधरी, प्रदीप पटेल राना के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

किसान सम्मान निधि वितरण का लाइव प्रसारणः किसान मोर्चा ने किया ट्रैक्टर पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसान सम्मान निधि की 16 वीं किश्त जारी किये जाने का लाइव प्रसारण बस्ती सदर ब्लाक सभागार में सुना गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, बस्ती सदर ब्लॉक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष भानु प्रकाश मिश्रा, जगदीश शुक्ला कृषि विभाग के अधिकारी और किसानों ने प्रधानमंत्री के संदेश को सुना।

इसी कड़ी में भाजपा किसान मोर्चा द्वारा ग्राम परिक्रमा यात्रा का अभियान के भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय की अगुवाई में भाजपा मुण्डेरवा मण्डल के देवरिया ग्राम में हुआ। यहां ट्रैक्टर पूजन कर ग्राम चौपाल लगाकर ग्राम भ्रमण हुआ । भाजपा नेता दिलीप पाण्डेय ने कहा कि भाजपा किसानों की सबसे बड़े हितैषी है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक 11 करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों को तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम उनके खाते में ट्रांसफर की जा चुकी है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। ग्राम परिक्रमा यात्रा में भाजपा किसान मोर्चा मुण्डेरवा मंडल अध्यक्ष अरुण चौधरी, ग्राम प्रधान हरिशंकर पाण्डेय, वशिष्ठ मुनि, बृजनंदन, अशोक कुमार, राम शब्द, सुनील, लव कुश, मनमोहन सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

माहौल हमारे अनुकूल–योगी

लखनऊ (आभा)। बुधवार को मोदी की गारंटी पेटिका अभियान का शुभारंभ करते हुए सीएम योगी ने कहा कि माहौल हमारे अनुकूल है, मोदी जी के 10 साल के काम, उनका नाम और नेतृत्व के साथ ही इस बार भगवान श्रीराम का भी आशीर्वाद हमारे साथ है। ऐसे में इस बार 80 में से 80 लोकसभा सीटें जीतने के संकल्प के साथ हमें आगे बढ़ना है। साथ ही यह भी ध्यान रखना है कि हम अति आत्मविश्वास में ना रहें। हमें अपनी बूथ संरचना को और सुदृढ़ करते हुए जनता के साथ बेहतर संवाद को और अधिक प्रगाढ़ करना है। याद रहे राजनीतिक दलों के व्यवहार और कार्यपद्धति को जनता हमेशा नोट करती है और वक्त आने पर जवाब भी देती है। पार्टी का प्रत्याशी मतलब कमल का फूल, हमें बस यही मानकर चलना है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सहित बीजेपी नेताओं की मौजूदगी में सीएम योगी ने इस अभियान को शुरू किया है। इसके अंतर्गत विकसित भारत 'मोदी की गारंटी' पेटिका को बीजेपी कार्यकर्ता घर–घर लेकर जाएंगे और आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र के लिए सुझाव मांगेंगे।

इसके अलावा पार्टी की ओर से मिस्ड कॉल अभियान की भी शुरूआत की गई है। इसमें 9090902024 पर मिस्ड कॉल के जरिए भी पार्टी के संकल्प पत्र के लिए जनता से सुझाव आमंत्रित किये जाएंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश को सीबीआई की नोटिस

लखनऊ (आभा)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को अवैध खनन मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (सीबीआई) ने गवाह के तौर पर तलब किया है। उन्हें कल (29 फरवरी) को दिल्ली में सीबीआई के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है। अखिलेश यादव को बतौर गवाह पेश होने के लिए कहा गया है। इसका खुलासा उन्होंने खुद ही राजधानी में एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में किया।

सीबीआई की इस नोटिस को लोकसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। अखिलेश यादव अक्सर कहते रहे हैं कि उन्हें कांग्रेस की सरकार ने पहले ही सीबीआई क्लब में डाल दिया है और अब भाजपा भी वही काम कर रही है।

अखिल क्षत्रिय महासभा का गठन, सत्यानन्द सिंह मण्डल अध्यक्ष, प्रशान्त युवा जिलाध्यक्ष बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल क्षत्रिय महासभा बस्ती मण्डल इकाई की बैठक नगर सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज के सभागार में संपन्न हुई। इस दौरान मंडल इकाई का गठन करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनका मनोनयन पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रीत कुमार सिंह ने सौंपा। सत्यानन्द सिंह को मण्डल अध्यक्ष और प्रशान्त सिंह को युवा जिलाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।

अखिल क्षत्रिय महासभा की मण्डल इकाई का गठन करते हुए बस्ती मंडल अध्यक्ष के रूप में सत्यानन्द सिंह को बस्ती मंडल प्रभारी, कृष्ण पाल संरक्षक निराकार सिंह कृष्ण बहादुर सिंह मंडल उपाध्यक्ष, धर्मेंद्र कुमार सिंह, जगन्नाथ सिंह, अशोक कुमार सिंह, अमरनाथ सिंह, मंडल महामंत्री अश्वनी कुमार सिंह, विक्रांत सिंह, विकास सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह सहित प्रशांत सिंह को संगठन में बस्ती जनपद का यूथ जिला अध्यक्ष चुना गया।

उक्त सभी पदाधिकारियों को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रीत कुमार सिंह ने माल्यार्पण कर मनोनयन पत्र सौंपा गया। इससे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रीत कुमार सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री रणवीर सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता कालिका सिंह, राष्ट्रीय सचिव रत्नेश सिंह प्रिंस, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेश चंद सिंह एवं सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष सिंह के द्वारा भगवान श्री राम एवम् महाराणा प्रताप जी के चित्र के सम्मुख दीप जलाकर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रीत कुमार सिंह ने कहा कि आज क्षत्रिय समाज को संगठित होने की आवश्यकता है। इसके बिना समाज का उत्थान नहीं हो सकता। उन्होंने संगठन के विस्तार को लेकर पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। कार्यक्रम का संचालन विकास सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रदीप सिंह, पंकज सिंह, यशवीर सिंह, रमन सिंह, विष्णु सिंह सहित भारी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग मौजूद रहे।

विज्ञान दिवस पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्रों ने लगाया विज्ञान प्रदर्शनीः चन्द्रयान 3 प्रोजेक्ट रहा आकर्षण का केंद्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बुधवार को सरस्वतीपुरम पचपेडिया स्थित दिल्ली पब्लिक सीनियर स्कूल में छात्र–छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी लगाकर अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये। छात्रों ने एक से बढ़कर एक विषय पर अपने–अपने मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये । शांभवी, अंशिका, नेहा,आकाक्षा और दीपांशी आदि ने चंद्रयान 3 नाम से अपना प्रोजेक्ट बनाया जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा । इसके अतिरिक्त अन्य छात्रों ने रोबोट, वाटर कंजर्वेशन , रेन वाटर हार्वेस्टिंग ,सोलर सिस्टम, डोन कैमरा, रोबोटिक कार फोटोसिनथेसिस, वाटर कूलर, वाटर प्यूरिफिकेशन माइक्रोस्कोप, तथा विभिन्न प्रकार के कृषि संबंधी उपकरण आदि भी बनाये । विद्यालय के लगभग 100 से अधिक छात्रों ने विभिन्न विषयों पर अपने–अपने मॉडल प्रस्तुत कर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व को रेखांकित किया ।

विद्यालय के प्रबंधक अमरमणि पाण्डेय एवं प्रधानाचार्य श्रीमती अर्चना पाण्डेय ने सभी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में जानकारी दी। कहा कि वैज्ञानिक सोच से ही समाज का भला संभव है । आज के छात्र कल के वैज्ञानिक हैं इन्हें सही दिशा निर्देश देने का कार्य अध्यापकों का है इसलिए बच्चों के कौतूहल और उनके मन में उठे प्रत्येक प्रकार के प्रश्नों का सटीक और सही उत्तर देना ही हम सब अभिवावक तथा अध्यापकों का प्रथम कर्तव्य है। इस संकल्प के साथ सभी अध्यापक अपना उच्चतम कर्तव्य निभाते हुए विद्यालय के सभी छात्रों को एक कुशल वैज्ञानिक तथा एक कुशल छात्र बनाने में अपना श्रेष्ठतम दे रहे हैं ।

सीनियर वर्ग के छात्रों में क्रमशः दुर्गामा, मोनिष्का, देवांश, शांभवी, श्वेता, आस्था, ओम चंद्र, अरूण, शुभी, समृद्धि, अग्रिमा, आस्था ,जानवी, इत्यादि ने विभिन्न विषयों पर आधारित अपने एक से एक बढ़कर मॉडल व प्रोजेक्ट बनाए उनके द्वारा बनाए गए मॉडल व प्रोजेक्ट को अतिथियों ने सराहा।

जूनियर वर्ग से शुभिका ,शगुन, ऋषभ, अंशिका, सोनाक्षी, सृष्टि, एकता, ऋतुल ,दिव्यांश , अवंतिका, अक्षिता, शिव, कार्तिक, इत्यादि छात्र छात्राओं ने भी विभिन्न विषयों पर मॉडल व प्रोजेक्ट बनाकर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का परिचय दिया । इस अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापक अविनाश पाण्डेय, अमरीश पाण्डेय,जय किशन ,ऋचिका सिंह , लक्ष्मी ,आरती, सुमन ,आराध्या ,नीलम चौधरी, कशिश ,अंकिता, पूजा शुक्ला, दिव्या मिश्रा आदि ने विशेष योगदान दिया।

महिला सशक्तिकरण में शिक्षा महत्वपूर्ण –.प्रो सुनीता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को महिला पी जी कॉलेज बस्ती में पुरातन छात्रा सम्मेलन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्या प्रो सुनीता तिवारी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया,छात्राओं ने दीप मंत्र,सरस्वती वंदना, व स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

प्राचार्या प्रो सुनीता तिवारी ने पुरातन छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण है,महाविद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्राओं का उच्च कोटि के अनुशासन में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करना हमारा प्रयास रहता है जिससे छात्राओं के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास हो सके,हमारा प्रयास है महाविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।

पुरातन छात्रा सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के पुरातन छात्रा समिति के संयोजक पूनम यादव व सदस्य डॉ रघुवर पाण्डेय एवं डॉ वीना सिंह के नेतृत्व में किया गया। संचालन महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वीना सिंह,एवं पुरातन छात्रा राजकीय बालिका इंटर कालेज बस्ती की अध्यापिका मानवी सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की पुरातन छात्रा मंजू आर्या,प्रतिभा पाण्डेय,संगीता कुमारी,गीता उपाध्याय,जूही सिंह,नेहा पाण्डेय,ज्योति , अनुराधा शुक्ला, पूजा गुप्ता एम ए समाजशास्त्र गोल्ड मेडलिस्ट ने महाविद्यालय से जुड़े अपने संस्मरण और प्रेरणा स्रोत के बारे में बताया।

सपना गुप्ता और साथियों द्वारा 'आज गर्भ में चीख रही है बेटी हिंदुस्तान की' गाने पर समूह नृत्य ,निशु कुमारी एवं साथियों द्वारा घरेलू हिंसा पर नुक्कड़ नाटक, व पुरातन छात्रा पंखुड़ी मिश्र द्वारा कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया गया, कार्यक्रम के अंत में एम ए समाजशास्त्र की छात्रा शशि ने विदाई गीत प्रस्तुत किया, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो सुनीता तिवारी द्वारा सभी पुरातन छात्राओं को सम्मानित किया गया। ज्ञापन डॉ रघुवर पाण्डेय ने किया ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ . सीमा सिंह, डा नूतन यादव, डॉ सुहासिनी सिंह, डा रुचि श्रीवास्तव, प्रियंका सिंह, डॉ संतोष यदुवंशी, डा प्रियंका मिश्र, डॉ कमलेश पाण्डेय,नेहा श्रीवास्तव, योगेश कुमार पांडेय,दुर्गेश गुप्ता,अरुण मणि त्रिपाठी,गिरिजा नंद राव,महाविद्यालय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सूर्या उपाध्याय,सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 फरवरी 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

चुनाव और नैतिकता

समय के साथ राजनीति बदल रही है। इस बदलाव को रोका भी नहीं जा सकता। राज्यसभा के चुनाव में जिस प्रकार से क्रास वोटिंग हुआ राजनीति में यह कोई नई बात नहीं है। पद, पैसा, लालच, भय के समीकरण राजनीति को किस मोड़ पर ले जायेंगे कुछ कहा नहीं जा सकता। सच तो ये है कि राजनीति विशुद्ध उद्योग होती जा रही है। दलीय निष्ठाओं का तार–तार होते जाना अब शर्म पैदा नहीं करता।

देश के तीन राज्यों– उत्तर प्रदेश, हिमाचल और कर्नाटक से राज्यसभा के पंद्रह सदस्यों के लिए चुनाव में विभिन्न पार्टियों के विधायकों के पाला बदलने की घटनाएं न तो पहली हैं और न ही ये आखिरी होंगी। मगर ऐसी घटनाएं राजनीतिक कौतुक चाहे जितना पैदा करें, इनकी सराहना नहीं की जा सकती, क्योंकि ये हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के भरोसे को कमजोर करती हैं। चाहे वे सपा के विधायक हों या कांग्रेस के या भाजपा या सुभासपा के, इन तमाम पालाबदल विधायकों की आस्था यदि अपने–अपने दल में खत्म हो गई थी, तो उन्हें अपनी विधायकी से इस्तीफा देकर नया जनादेश लेना चाहिए था, पर कोई विरले ही अब ऐसा उदाहरण पेश कर पाता है। ऐसा नहीं है कि किसी दल से विधायक या सांसद चुने जाने के बाद कोई व्यक्ति अगले पांच वर्षों के लिए बौद्धिक रूप से गुलाम बन जाता है, बल्कि विधायी सदस्य देशहित और जनहित में पार्टी लाइन के विरुद्ध बोलने को पूर्ण आजाद हैं और संविधान उन्हें इसका अधिकार देता है। हमारी संसदीय बहसों में ऐसी अनगिनत नजीरें मौजूद हैं, जब सांसदों–विधायकों ने विभिन्न मुद्दों पर पार्टी लाइन के विरुद्ध अपनी राय रखी। भारतीय लोकतंत्र की वैश्विक प्रतिष्ठा में इन असहमत आवाजों का कहीं बड़ा योगदान है। जाहिर है, ऐसे सदस्य अपने मजबूत नैतिक बल के सहारे ही मुखर होते हैं, मगर दुर्योग से हाल के वर्षों–दशकों में सत्ता या स्वार्थ–सिद्धि के लिए जोड़–तोड़ की कोशिशें ही अधिक दिखी हैं।

बहरहाल, पाला बदलने वाले सदस्यों के आचरण से इतर ये राज्यसभा चुनाव राजनीतिक दलों के प्रबंध कौशल को भी उजागर कर गए। खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लिए इन नतीजों में गहरे सबक हैं। अव्वल तो सपा के प्रत्याशियों के चयन से ही सहयोगी दलों की नाराजगी खुलकर सामने आ गई थी, फिर इतनी बड़ी संख्या में पार्टी के विधायकों का दामन झटकना साफ बताता है कि नेतृत्व ने उनको भरोसे में नहीं लिया था। आखिर उन्हें संतुष्ट करने की जिम्मेदारी किसकी थी? जब भाजपा ने अपना आठवां उम्मीदवार उतार दिया था, क्या तभी पार्टी नेतृत्व को अतिरिक्त सक्रियता नहीं दिखानी चाहिए थी? हैरानी की बात है कि पार्टी के मुख्य सचेतक की ही प्रतिबद्धता डांवाडोल थी और नेतृत्व इससे गाफिल था? इससे भी बुरा हाल तो हिमाचल में कांग्रेस का रहा। उत्तर भारत में यहां उसकी इकलौती सरकार है और 68 सदस्यीय विधानसभा में उसके पास 40 विधायक हैं, फिर भी उसके उम्मीदवार की जो दुर्गति हुई, वह पार्टी नेतृत्व की कमजोरी को बुरी तरह उजागर कर गई। वहां उसकी सरकार ही अब संकट में है। ऐसे में, वह राज्य से लोकसभा की चार सीटों के लिए कोई उम्मीद कैसे पाल सकती है?

आम चुनाव हो या विधानसभा चुनाव, उनके करीब आने पर विधायकों, सांसदों और नेताओं का पाला बदलना सामान्य बात है। मगर राज्यसभा चुनावों के लिए भाजपा व एनडीए की मोर्चेबंदी बताती है कि वे किस लक्ष्य से प्रेरित हैं और उच्च सदन में भी अपना बहुमत हासिल करने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन कितना गंभीर है। गौरतलब है कि अभी तक एनडीए को राज्यसभा में बहुमत नहीं है, फिर आम चुनाव से ठीक पहले विपक्ष से सीटें झटककर वह मतदाताओं को यह संदेश देना चाहता है कि उसका कोई मुकाबला ही नहीं है। इन चुनावों का कुलजमा पैगाम यही है कि लोकतंत्र में राजनीतिक प्रबंधन और जीत की भूख के बिना मुकाबले में टिकना भी मुश्किल होता है। हिमाचल कांग्रेस अपनी ही पार्टी की कर्नाटक इकाई से यह सीख ले सकती है।

सर्वोच्च न्यायालय का फैसला और लोकतंत्र

–अशोक लवासा–

अदालतें न्याय देने के लिए बनी हैं। कई मर्तबा, वे इस ढंग से न्याय करती हैं कि आमतौर पर उनके साथ लगाया जाने वाला 'माननीय' शब्द सार्थक हो उठता है। इस बात पर लगभग सभी सहमत हैं कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से लोगों का विश्वास फिर से लौटा है। जिस ढंग से न्यायाधीशों ने इस प्रसंग में पड़ताल की और आदेश सुनाया, वह असाधारण और चौंकाने वाला था। चुनाव अधिकारी अनिल मसीह का अनुचित आचरण भी कम नाटकीय और वाहियात न था, और दुर्भाग्यवश खतरा यह है कि कहीं यह चलन आम न हो जाए।

जैसा कि ज्ञात है, यह प्रसंग मतपत्रों से छेड़छाड़ कर निरस्त करने का है। हालांकि, इस मामले के केंद्रबिंदु में कुछ लोगों के लिए यह नमोशी का बायस है तो बहुतों के लिए व्यवस्था पर से भरोसा उठना। अदालत ने एक ही झटके में लोगों का यकीन दुबारा कायम कर तो दिया है, लेकिन केवल न्यायपालिका पर। न्यायालय ने उनको भी आईना दिखाया है जो व्यवस्था में मनमर्जी चाहते हैं लेकिन अवश्य ही उनको नहीं, जो पर्दे के पीछे रहकर अपना चेहरा बचाने की फिराक में थे। इस बार मुख बेशक मसीह का है किंतु कभी यह हर्षद मेहता का तो कभी अब्दुल करीम तेलगी का रहा, जो कि दुनिया को दिखाता है कि हमारी व्यवस्था में सड़न कितनी गहरी है, और इसके लिए हमें उसका (मसीह का) धन्यवाद करना होगा। हालांकि, एक मसीह के बरअक्स बहुतों पर ध्यान नहीं गया, भले ही उन्होंने व्यवस्था को इतना नुकसान पहुंचाया जिसकी भरपाई संभव नहीं।

कुछ लोगों ने इस प्रसंग को 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन बनाम मतपत्र में कौन बेहतर' का पुट देने की कोशिश की है, यह कहते हुए कि ईवीएम होती तो मतपत्र की तरह गड़बड़ संभव न थी। लेकिन मतपत्र के मामले में, गड़बड़ी को पकड़ा तो जा सकता है जबकि जिन्हें ईवीएम पर शक है, उनके मुताबिक ईवीएम में हेराफेरी को पकड़ना मुश्किल है। इसका यह अर्थ नहीं कि हम पुनः मतपत्र वाले काल में लौट जाएं और ईवीएम के उपयोग से हासिल हुई दक्षता से खुद को महरूम करें। हालांकि इसका मतलब यह भी नहीं कि ईवीएम को लेकर जो शक–शुबहा हैं, उन्हें दूर न किया जाए। यह सार्वजनिक बहस का अलग से विषय है, जिसको लेकर मामला सर्वोच्च न्यायालय के सम्मुख भी है।

मसीह वाले प्रसंग में, सर्वोच्च न्यायालय ने रियायती लंबी प्रक्रिया न अपनाकर त्वरित न्याय दिया है। खंडपीठ ने सबके सामने पड़ताल की और प्रस्तुत सबूतों के आधार पर अपेक्षाकृत सरल इस मामले में सत्य को छांट लिया। चुनाव दुबारा से करवाना न्यायोचित न होता, खासकर जब विवाद चुनाव अधिकारी द्वारा कुछ मतपत्रों को बिगाड़ने तक सीमित था और जिसके लिए अकाट्य प्रमाण उपलब्ध था। अदालत ने चुनाव अधिकारी द्वारा दिए कृत्य को निरस्त करके और विवादित मतपत्रों को वैध ठहराते हुए, चुनाव परिणाम की घोषणा करवाकर सही किया है। ईवीएम से पूर्व काल में चुनाव अधिकारी गणना से पहले, मतपत्रों की वैधता तय करने में, इसी प्रकार अपनी चलाया करते थे। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला क्रिकेट मैच में अपनाई डीआरएस (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) व्यवस्था सरीखा है, जिसमें तीसरा अम्पायर मैदान वाले अम्पायर के फैसले को उलट सकता है, बिना गेंद दुबारा डलवाए।

यह कहना कि मसीह तो एक आसान निशाना था, इसके बावजूद अदालत के जज्बे की तारीफ बनती है न कि कम करके आंकना। मसीह का अनुचित व्यवहार ही उसको निशाने पर ले आया। जिस पर न्यायाधीश खफा हुए, साफ है उसने यह करके अपनी छवि खलनायक जैसी बना डाली। अदालती फैसले को अपरिहार्य दंडाधिकारी की तरह लिया जाए, जैसे कि कर्मफल का दंड देने वाली ग्रीक देवी नेमेसिस, जो नियम–स्थापित पवित्र प्रक्रिया को बिगाड़ने का प्रयास करने वालों का इंतजार करती है।

हालांकि गूढ़ प्रश्न है कि क्या मसीह ने यह सब अपने तौर पर किया होगा। क्या अन्य भी थे जिन्होंने उसे ऐसा करने को कहा और यकीन दिलवाया कि यदि कुछ समय के लिए अपनी अंतरात्मा को दबा दे तो बहुत बड़ा फल मिलेगा। और इस दुर्भाग्यपूर्ण मामले में यही बात गहन पड़ताल का आह्वान करती है। जिस ढंग से 'विजयी' घोषित किए मेयर ने कुर्सी संभाली, वह कठिनाई से पाई सफलता पर तात्कालिक खुशी के सदका न होकर उस साजिश का हिस्सा था, जिसकी पटकथा पहले लिखी जा चुकी थी और अगले दृश्य के अभिनय में केवल इशारे मिलने की देर थी। चुनाव अधिकारी तो केवल एक निमित्त मात्र था।

आदि से अंत तक, यह पूर्ण रूप से चालबाजी थी। पहले एक घटिया साजिश फिर उसका अनाड़ी क्रियान्वयन, तत्पश्चात तुरत–फुरत कब्जा करना। आगे, कुछ पार्षदों का पाला बदलना और मेयर का त्यागपत्र देना तेजी से बदलते परिदृश्य में एक चतुर किंतु अधकचरा जुगाड़ रहा। अवश्य इस सबके पीछे कोई 'मास्टरमाइंड' जरूर काम कर रहा था। परंतु अंततः न्यायालय ने हथौड़ा चलाकर इस नाटक का पटाक्षेप कर दिया।

नये मेयर को गद्दी से उतारने के लिए उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की संभावना बनी हुई है, यदि कानूनन इजाजत हो। यह पैंतरा सफल हो भी सकता है, क्योंकि 'मंडी' में हरेक 'चीज' की एक कीमत है। यह होने पर, लोकतंत्र का आगे चीरहरण होगा। कोई हैरानी नहीं इस अलोकतांत्रिक प्रयास से सत्ता हासिल करने पर सत्तारूढ़ दल की ओर से मुंह से एक शब्द तक न निकला। जो कुछ सर्वोच्च न्यायलय ने मसीह वाले मामले में किया है वह न्याय को तार्किक निर्णय तक पहुंचाने जैसा है। यह कुछ ऐसा है कि न्यायाधीशों ने दिन–दहाड़े डकैती होना पाया और एक लुटेरा पकड़ा गया, तब मजबूरन डकैतों ने लूटा माल लौटाना तय किया। यहां इस मामले में, छीना गया सबसे कीमती सरमाया यानी लोकतंत्र, जिसके लिए देश ने लंबी लड़ाई लड़ी है। सर्वोच्च अदालत द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुनः स्थापित करने के साथ, क्या भारत के लोग इसे सहेजकर रखने के लिए अपनी ओर से कुछ योगदान करेंगे? क्या यह सिद्धांत इलेक्ट्राल बॉन्ड्स पर भी लागू होगा, यक्ष प्रश्न है।

बाइबल के पात्रों डेविड और गोलिएथ की तरह न तो यह लड़ाई पहली है न ही अंतिम। वहां तो डेविड ने कंकड़ एवं गुलेल और सहायक बने ईश्वर का साथ पाकर गोलिएथ को हरा दिया था। किंतु आज के प्रत्येक डेविड को यदि जीतने की आशा रखनी है, तो प्रतिबद्धतापूर्ण साहस और अदालतों के सतत और बिना शर्त साथ की जरूरत है। कोई हैरानी नहीं न्यायाधीश को माई लॉर्ड (मेरा भगवान) कहा जाता है।

–लेखक भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त हैं।

बीच बहस में सीएए नागरिकता

–आशीष वशिष्ठ–

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए को लेकर पूरे देश में एक बार फिर से चर्चा तेज हो गई है। इससे पहले भी नागरिकता संशोधन कानून को लेकर कई बार विवाद देखने को मिल चुके हैं। इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी कि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए कब अमल में आएगा। क्योंकि जनवरी 2020 में राष्ट्रपति की मुहर लगने के साथ यह कानून अस्तित्व में आ गया था। सीएए कानून को लेकर उस वक्त देशभर में खूब विरोध प्रदर्शन हुआ था। विशेषकर पूर्वोत्तर के राज्यों में सीएए का सबसे ज्यादा विरोध देखने को मिला था। पूर्वोत्तर के सात राज्य सीएए कानून से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। वहां तोड़फोड़ की कारण करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। चार वर्ष की देरी के बाद यह प्रतीक्षा पूरी होने जा रही है। दरअसल, बीते दिनों कई अवसरों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को देश में लागू कर दिया जाएगा।

यह कानून मुख्य रूप से गैर मुस्लिम देशों में प्रताड़ित होकर भारत आने वाले नागरिकों को भारत की नागरिकता प्रदान करेगा। इस कानून के लागू होने से भारत के तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन लोगों को भारत की नागरिकता मिलेगी, जो दिसंबर 2014 तक अपने देशों में किसी न किसी प्रताड़ना का शिकार होकर भारत आ गए हैं। इन लोगों में गैर–मुस्लिम अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। दरअसल, ये लोग उन देशों में अल्पसंख्यक हैं। जाने किस त्रास या संकट में उन्हें उन देशों को छोड़ कर आना पड़ा। यहां के नागरिक न होते हुए भी दिक्कतों, मुसीबतों को गले लगाकर यहां जीवन बिताना पड़ रहा है। इसलिए इन सबको नागरिकता देकर यहां यानी भारत में सम्मान दिए जाने के इरादे से यह कानून लाया जा रहा है।

ऐसे में अब प्रश्न उठता है कि यह कानून भलाई के रूप में सामने लाया जा रहा है तो अब तक इसे टाला क्यों जाता रहा? इसका विरोध क्यों किया जा रहा है? या विरोध कर कौन रहा है? दरअसल, पूर्वोत्तर के राज्य इसका विरोध इसलिए कर कर रहे हैं क्योंकि उनका तर्क है कि इन बाहर के लोगों को नागरिकता देने से उनके राज्य में भीड़ बढ़

जाएगी और उनकी परंपराएं, संस्कृति और तमाम रीति–रिवाजों पर बड़ा फर्क पड़ेगा। वे सब बिखर जाएंगे। वहीं सीएए का विरोध मुस्लिम समुदाय भी कर रहा है। वास्तव में, इस कानून में इन तीन देशों से आए मुसलमानों को नागरिकता देने से बाहर रखा गया है। कई आलोचकों का मानना है कि इस कानून से मुसलमानों से भेदभाव हो रहा है और ये भारत में समानता की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन करता है।

विपक्ष का सबसे बड़ा विरोध यह है कि इसमें खासतौर पर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया गया है। उनका तर्क है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है जो समानता के अधिकार की बात करता है। बता दें कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक बड़े वर्ग का कहना है कि अगर नागरिकता संशोधन कानून 2019 को लागू किया जाता है तो पूर्वोत्तर के मूल लोगों के सामने पहचान और आजीविका का संकट पैदा हो जाएगा। जानकारों की मानें तो इस कानून में किसी भी भारतीय, चाहे वह किसी मजहब का हो, की नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। भारत के मुस्लिमों या किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों की नागरिकता को इस कानून से कोई खतरा नहीं है।

यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे। इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय में भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं। वे लोग उन भाषाओं को बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं। उन्हें नागरिक कानून 1955 की तीसरी सूची की अनिवार्यताओं को भी पूरा करना होगा। इसके बाद ही प्रवासी आवेदन के पात्र होंगे। लंबे समय से भारत में शरण लेने वालों को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

जहां तक विपक्ष के विरोध का सवाल है उसका कहना है कि इस कानून में मुस्लिमों को वंचित क्यों रखा गया? यह समानता के कानून का उपहास उड़ाने की तरह है। सरकार का कहना है कि जिन देशों के शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान किया जा रहा है, वहां मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं, बल्कि बहुसंख्यक हैं। इसलिए उन्हें इस देश में यानी भारत में नागरिकता देने का कोई मतलब नहीं है। वो उनके देश हैं, वे वहां खुशी से रहें। भारत सरकार वंचितों की मदद करना चाहती है, इसलिए इन तीनों देशों के वे गैर मुस्लिम नागरिक जो वर्षों पहले यहां आ गए थे उन्हें सम्मान दिया जा रहा है। इसमें गलत क्या है? लेकिन अब विपक्ष के इस विरोध में ज्यादा दम नहीं रहा। यही वजह है कि जल्द ही इस कानून को लागू करने की कवायद की जा रही है। हो सकता है इसी महीने।

संसद ने दिसंबर 2019 में संबंधित विधेयक को मंजूरी दी थी और बाद में राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसके विरोध में देश के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। सीएए को लेकर देश में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। कई राजनीतिक दलों ने भी इसका विरोध किया था। इस वजह से सरकार ने रूल्स फ्रेम करने में देरी की थी पर अब सीएए रूल्स का नोटिफिकेशन होम मिनिस्ट्री ने जारी करने की पूरी तैयारी कर ली है।

सीएए बिल के संसद के दोनों सदनों से पास होने के बाद 4 राज्य इसके विरोध में विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर चुके हैं। सबसे पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दिसंबर 2019 में सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि यह धर्मनिरपेक्ष नजरिए और देश के ताने–बाने के खिलाफ है। इसमें नागरिकता देने से धर्म के आधार पर भेदभाव होगा। इसके बाद पंजाब और राजस्थान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने विधानसभा में सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। चौथा राज्य पश्चिम बंगाल था, जहां इस बिल के विरोध में प्रस्ताव पारित किया गया। 2019 में संसद द्वारा पारित सीएए का ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी विरोध कर रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था– बंगाल में हम सीएए, एनपीआर और एनआरसी की अनुमति नहीं देंगे।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दिसंबर 2021 में राज्यसभा में बताया था कि वर्ष 2018, 2019, 2020 और 2021 के दौरान पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुल 3,117 अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी गई। हालांकि आवेदन 8,244 मिले थे। वहीं गृह मंत्रालय की 2021–22 की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल–दिसंबर 2021 में कुल 1,414 विदेशियों को भारतीय नागरिकता दी गई।

मीडिया से मिल रही जानकारी के अनुसार नियम तैयार हैं और ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार है, क्योंकि पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदकों को वह वर्ष बताना होगा, जब उन्होंने यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश किया था. आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा।सीएए को लागू करने का वादा पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में भाजपा का एक प्रमुख चुनावी मुद्दा था। अच्छा होता कि यह काम और पहले कर दिया जाता, क्योंकि बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के जो अल्पसंख्यक जान बचाकर भारत आने में सफल रहे, वे यहां की नागरिकता पाने का इंतजार कर रहे हैं। उनकी संख्या अच्छी–खासी है। वे अल्पसंख्यक होने के कारण ही इन तीनों देशों में प्रताड़ित किए गए। उनके पास प्रताड़ना से बचने के लिए भारत आने के अलावा और कोई उपाय नहीं था। इस मुद्दे पर राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। आखिरकार यहां प्रश्न उन हजारों लोगों की जिंदगियों का है जो भारत की नागरिकता लेकर सुख शांति से जिंदगी बिताना चाहते हैं।

मातृभाषा से दूर होता ममत्व

–नीरजा माधव–

कभी सोचिएगा, आप अपनी मूल मातृभाषा के शब्दों को कितना जानते हैं और आपने अपनी मूल भाषा के लिए अभी तक किया क्या है? मातृभाषा भी अन्य भाषाओं की तरह एक संस्कार है, जिसे हम अपनी मां से, अपने आसपास के परिवेश और लोक से सीखते हैं। किसी भाषा का महत्व इस बात पर निर्भर नहीं करता कि उस भाषा में कितना प्रचुर साहित्य लिखा गया या उसे बोलने वालों की कितनी अधिक संख्या है, बल्कि इस पर निर्भर करता है कि उस भाषा या बोली को बोलने वालों की निष्ठा उसमें कितनी है? अपनी मातृभाषा के संबंध में भी यही बात लागू होती है।

पुरानी कहावत है, 'कोस–कोस पर पानी बदले, पांच कोस पर बानी' यानी हमारे यहां जो लोक भाषाएं हैं, लोक बोलियां हैं, उनका स्वरूप कुछ–कुछ दूरी पर बदल जाता है, परंतु इस भिन्नता के भीतर भी एक सांस्कृतिक शक्ति नदी की तरह प्रवाहमान रहती है, जो लोगों को परस्पर जोड़े रखती है। अपने यहां मातृभाषाओं में हिंदी अग्रणी है। यह सेतु भाषा है, जिसे भोजपुरी, अवधी, बघेली, बुंदेली, कौरवी, कुमाऊंनी, गढ़वाली, हरियाणवी, ब्रज, मालवी, निमाड़ी, छत्तीसगढ़ी, मगही, राजस्थानी, पहाड़ी, नगपुरिया आदि बोलियों–भाषाओं की उर्वरता प्राप्त है। इन लोक भाषाओं की शब्द–संपदा हिंदी की निधि है। ऐसे में, यह दुर्भाग्य है कि हममें से कई लोग मातृभाषाओं के प्रति उदासीन हैं।

हमारी लोक भाषाओं में अकूत शब्द–संपदा है, जिससे लोगों का ध्यान हट रहा है। रिश्तों के लिए भी अलग–अलग संबोधन हैं। हमारे यहां मातृभाषा में दादी के लिए आजी, अइया, तो मां के लिए माई, मइया, अम्मा शब्द प्रचलित हैं। बाबा, बब्बा, आजा, दादा अब 'ग्रैंडपा' में सिमटने लगे हैं। बुआ, चाची, मौसी, मामी जैसे तमाम शब्दों का लोप अंग्रेजी के शब्द आंटी में होने लगा है। हम न जाने कितने शब्द भूल गए हैं। मिट्टी के बर्तनों को उनके आकार–प्रकार के आधार पर हमारी मातृभाषा में कई नाम दिए गए थे, जैसे– पुरवा, परई, कसोरा, दीया, सुराही, झंझर, घड़ा, कमोरी, हड़िया, कलश आदि, पर इन तमाम शब्दों को एक शब्द 'क्ले–पॉट' खत्म करने में लगा है। होली, धुरंडी,चहका, कबीरा, चौती, जंतसार, नकटा, लचारी आदि की ध्वनियां अब हमारे कानों में किसी लुप्त होती सभ्यता के अवशेष की तरह सुनाई पड़ती हैं।

किसी दूसरी भाषा का ज्ञान होना बुरी बात नहीं, पर अपनी भाषा की कीमत पर दूसरी भाषा को जानना उचित नहीं है। यहां यह जान लेना जरूरी है कि भारत में सात प्रतिशत लोग तीन भाषाएं जानते हैं, जबकि 26 प्रतिशत द्विभाषी हैं। फिर भी मोटे तौर पर देश में 70 प्रतिशत लोग ऐसे हैं, जो अपनी अकेली मातृभाषा पर निर्भर हैं। भारत में अभी 424 भाषाएं जीवित हैं, जिनमें से महज 13 भाषाओं का ज्यादा प्रयोग होता है। इन 13 भाषाओं को बोलने वालों की संख्या देश में लगभग 95 प्रतिशत है। चूंकि भारत में भाषाओं के प्रति आदर का भाव है, इसलिए कुछ ऐसी मातृभाषाओं को भी मान्यता मिली है, जिनको बोलने वाले एक प्रतिशत भी नहीं हैं। वैसे यह गौर करने की बात है कि चार प्रतिशत से भी ज्यादा लोगों की मातृभाषा भोजपुरी है, दो प्रतिशत से ज्यादा लोगों की भाषा राजस्थानी है, किंतु इन्हें अभी मान्यता नहीं मिली है।

देश में 60 भाषाएं ऐसी हैं, जिनका प्रयोग दस लाख से ज्यादा लोग करते हैं। इनके उत्थान पर लोगों को ध्यान देना चाहिए, भाषा के मामले में केवल सरकार या किसी राजनीति के भरोसे रहना उचित नहीं है। हमें अपनी मातृभाषा को हर हाल में सुरक्षित रखने का संकल्प लेना होगा, क्योंकि यह भारतीय संस्कृति के सुरक्षित रहने का प्रश्न है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

खुला साइबर थाना, अपराधियों की नहीं खैर

संवाददाता–बलरामपुर। सीएम योगी ने बुधवार को पुलिस लाइन में खोले गए साइबर थाने का वर्चुअल उद्घाटन किया। बीडियो कान्फ्रेंसिग के मध्यम से जनप्रतिनिधियों व पुलिस अधिकारियों ने उनका संवाद सुना। सदर विधायक ने शिला से पट हटाकर उद्घाटन की औपचारिकता पूरी की। यह थाना खुलने से साइबर अपराधियों पर नकेल कसना आसान होगा। साइबर अपराधा का शिकार हुए लोग इस थाने में अपना केस दर्ज करवा सकेंगे। मौजूद जनप्रतिनिधियों ने साइबर थाने की स्थापना को जिले की बड़ी उपलब्धि बताया।

सीएम योगी ने पुलिस लाइन में स्थापित साइबर थाने का बीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। वह बोले कि अपराध के तौर तरीकों में बदलाव आया है। सरकार अपराधियों की हर चुनौती से निपटने का तैयार है। सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि सीएम योगी के शासनकाल में अपराधियों के हौसले पस्त हो चुके हैं। तमाम अपराधी जिला छोड़कर चले गए हैं। साइबर क्राइम का प्रचलन बढ़ रहा है। अपराधी भोले–भाले लोगों को ठगी का शिकार बना लेते हैं। मेहनत से कमाई गई उनकी रकम को क्षण भर में हड़प जाते हैं। सरकार उनके मंसूबों को फेल करने में लग गई है। जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी ने साइबर थाने की स्थापना को सरकार का महत्वपूर्ण कदम बताया। कहा कि नेपाल सीमा से सटे इस जिले में साइबर थाने की महती जरूरत थी। तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल बोले कि एसपी केशव कुमार ने साइबर ठगों से सावधान रहने के लिए जिले में जागरूकता अभियान चला रखा है। साइबर क्राइम का ग्राफ यहां नीचे है। फिर भी कम पढ़े–लिखे लोगों के साथ–साथ शिक्षित वर्ग भी साइबर ठगी का शिकार हो रहा है। आदर्श नगर पालिका चेयरमैन डा. धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने कहा कि साइबर थाना खुलने से जिलावासियों को काफी सहूलिय मिलेगी। साइबर क्राइम से जुड़े लोगों के हौसले पस्त होंगे। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह बोले कि सीएम योगी ने सभी को समान रूप से सुरक्षा दिए जाने का संकल्प पूरा कर दिखाया है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी, डीपी सिंह वैस, बृजेन्द्र तिवारी, तरुण तिवारी, सीओ बृजनंदन्दन राय, ज्योतिश्री व प्रतिसार निरीक्षक आदि मौजूद रहे।

जवानों को दी गई ईमानदारी से ड्यूटी करने की नसीहत

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी कमांडेंट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी के नेतृत्व में बुधवार को वाहिनी मुख्यालय सभागार में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान जवानों को ईमानदारी से ड्यूटी करने की नसीहत दी गई। इसके साथ ही जवानों की सम्याएं सुनी गईं। इस दौरान कमांडेंट ने सशस्त्र सीमा बल शीर्षक गीत के साथ सैनिक सम्मलेन का शुभारंभ किया। इसके बाद वाहिनी की सभी सीमा चौकियों से आये हुए चौकी प्रभारियों एवं जवानों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई। वहीं भारत नेपाल सीमा पर तैनात जवानों के दैनिक ड्यूटी की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई। कमांडेंट ने नसीहत दी कि अनुशासन बनाये रखने के साथ अपनी ड्यूटी को ईमानदारी से करे एवं सीमा पर हमेशा सजग एवं सचेत रह कर निगरानी करें। सैनिक सम्मलेन के अवसर सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए मुख्य आरक्षी अमित कुमार सिंह, आरक्षी सामान्य सुनील दत्त और आरक्षी चालक सुरेन्द्र कुमार को अपर महानिदेशक प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय गान के साथ सैनिक सम्मलेन का समापन किया गया।

दो घरों की गृहस्थी और पचास बीघा गन्ना जला

संवाददाता–गोण्डा। धानेपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में आग लगने से दो लोगों की गृहस्थी जलकर राख हो गई है। वहीं कोनिया बनकट में बिजली लाइन का तार टूटकर खेत में गिरने से करीब पचास बीघा गन्ना जल गया है। जिससे भारी किसान का भारी नुकसान हुआ है।

धानेपुर थाना के ग्राम पंचायत पूरे तेंदुआ के मजरा ढुढ़ना में मंगलवार की रात में अचानक आग लग गई। इससे दो घरों में रखा गृहस्थी का सारा जलकर राख हो गया है। पीड़ित सीताराम ने बताया कि वह परिवार के साथ छप्पर में सो रहे थे। अचानक आग छप्पर में आग की लपटे उठने लगी। शोर मचाने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया तब तक बुधराम व संतोष कुमार के छप्पर में रखा सामान जलकर राख हो गया। वहीं संतोष कुमार के छप्पर में आग लगने से सामान व तीन बकरियां झुलस गई है। ग्राम प्रधान आफताब खान ने बताया कि आग लगने की सूचना हल्का लेखपाल को दी गई है।

दूसरी ओर बुधवार को दोपहर में शार्ट सर्किट से आग लगने से किसान का पचास बीघा गन्ना जल गया है। कोनिया बनकट के रहने वाले किसान आलोक तिवारी ने बताया कि उनके खेत से होकर 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन गयी है। खेत में गन्ना की फसल लगी हुई है। बुधवार को दोपहर में एचटी बिजली लाइन का तार टूटकर खेत में गिर गया जिससे खेत में आग लग गई। सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया है। प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शुक्ल ने बताया कि आग से गन्ने की फसल जली है। किसान की ओर से तहरीर नहीं मिली है।

डीएम ने आम लोगों के साथ बेंच पर बैठ कर सुनीं शिकायतें

संवाददाता–श्रावस्ती। बुधवार को जनता दरबार में लोगों की शिकायत सुन रहीं डीएम कृतिका शर्मा अचानक अपनी कुर्सी से उठ गईं और आफिस के बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रहे फरियादियों के बीच बेंच पर बैठ कर लोगों की शिकायतें सुनने लगीं। अपने बीच डीएम को पाकर लोग खुश हो गए और खुल कर अपनी बात बताई। डीएम ने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेकर निस्तारण का आश्वासन दिया। डीएम ने कहा कि आम जनता के बीच बैठ कर शिकायत सुनने से अच्छा लगता है और अपनी बात खुल कर बता देते हैं।

जैन साध्वी ज्ञानमती माता के सानिध्य में सम्पन्न हुआ मोक्ष कल्याण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।श्री भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन मंदिर रायगंज में जैनधर्म के पाँचवें तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभु का मोक्ष कल्याणक हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया है। जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख ज्ञानमती माता प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चंदनामती माता के पावन ससंघ सानिध्य में सर्वप्रथम श्रीजी का पंचामृत अभिषेक दूध, दही, घी, सर्वोषधि आदि द्रव्यों से किया गया सारे विश्व में शांति की कामना को करते हुए भगवान के मस्तक पर शांतिधारा संपन्न की गई। इस अवसर पर भगवान पद्मप्रभु की प्रतिमा का महाभिषेक किया गया एवं निर्वाणकाण्ड पढ़ते हुए भगवान के श्री चरणों में पाँच किलो का निर्वाण लाडू समर्पित करने का सौभाग्य श्री विजय कुमार जैन मंत्री अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी ने प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री विजय कुमार जी ने बताया कि पूज्य माताजी के ससंघ सानिध्य में कार्यक्रम सम्पन्न किया गया पूज्य माताजी ने भक्तों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि फाल्गुन कृष्णा चतुर्थी के दिन भगवान पद्मप्रभु ने शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर की पावन भूमि से मोहन कूट (मंदिर) से अनेक मुनियों के संघ में निर्वाण को प्राप्त किया एवं पद्मप्रभु भगवान का जन्म कौशाम्बी में करोड़ों वर्ष पूर्व हुआ था। कौशाम्बी तीर्थ भगवान के चार कल्याणकों से पावन तीर्थ है। इस तीर्थ पर विशाल मंदिर बना हुआ है। जैन श्रद्धालू भक्त यहाँ पर प्रतिदिन आते हैं। भगवान को मोक्षकल्याणक सभी के लिए कल्याणकारी हो ऐसा पूज्य माताजी ने अपने प्रचवन में कहा सम्पूर्ण कार्यक्रम जैनमंदिर के पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति जी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ शाम को भगवान की 108 दीपकों से आरती सम्पन्न की गई।

एएनएम द्वारा मुस्कान के बच्चों का परीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।ए.एन.एम. ट्रेंनिंग सेंटर दर्शन नगर अयोध्या में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 50 ए.एन.एम.द्वारा अवधेश मिश्रा एवं श्रीमती साक्षी मिश्रा के नेतृत्व में मुस्कान पुनर्वास केंद्र के मूक बधिर एवं मानसिक मन्दित दिव्यांग बच्चों के साथ मिलाकर लगभग 70 बच्चों का 6 काउंटर लगाकर परीक्षण किया तथा दिव्यांगों की समस्याओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। जिसमें 1 काउंटर था रजिस्ट्रेशन का 2 वायरल 3 फिजिकल एसेसमेंट काउंटर 4 एंथ्रोपीडिएट्रिक 5 बॉडी मास इंडेक्स का और 6 हेल्थएजुकेशन सेंटर आदि दिव्यांग बच्चे अपनी सभी जानकारी सांकेतिक भाषा एवं बॉडी लैंग्वेज के द्वारा दे रहे थे साथ में संस्था के शिक्षक भी ए.एन.एम. की मदद कर रहे थे। जिसमे विशेष रूप से प्रधानाचार्य संगीता यादव उपप्रधानाचार्य मनोज सोनकर , उषा मिश्रा , मानसी मिश्रा , अनीता सोनकर , निशा निषाद , पूजा निषाद आदि थे। सभी ए.एन. एम.बहुत ही प्रसन्न थी और बच्चों की प्रतिभा की बहुत तारीफ कर रही थी तथा उनका कहना था कि यहां पर बच्चों को बहुत ही अच्छी शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली ए.एन.एम. में मुख्य रूप से थी विनीता सिंह, विद्यार्थी ,वंदना ,सुधा, सोनिया, शिवानी सुषमा ,रेखा, रेखा देवी, रितु ,रोशनी, शालू वर्मा, शालू सिंह ,शिवदेवी, प्रगति ,प्राची, रीता, पूजा, रूपाली, सविता, ममता ,निर्मला निधि ,ललिता,आरती ,अंजलि ,रुचि, आफरीन ,लक्ष्मी ,शिवांगी, नंदिनी ,शिखा,सुप्रिया, प्रीति, अनीता, अनुपम, कुसुम, अनामिका, अंतिम, अनिका, रंजीत आदि। कार्यक्रम अंत में संस्था की निदेशक डॉ रानी अवस्थी ने कहा कि आप बहुत अच्छा कार्य करने जा रही हैं क्योंकि सेवा कार्य से बड़ा कोई भी कार्य नहीं है आप सेवा कार्य करने जा रही हैं अतः बहुत ही मनोयोग से कार्य करें। आप को हमारी बहुत–बहुत शुभकामनाएं। प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी ने कार्यक्रम के अंत में सभी को शुभकामनाएं दी तथा बच्चों के परीक्षण के लिए आभार प्रकट किया।

ट्रक से पिकअप में मारी टक्कर, पिकअप चालक गंभीर

संवाददाता–श्रावस्ती। बलरामपुर बहराइच नेशनल हाईवे पर बुधवार को बहराइच से बलरामपुर जा रही पिकअप को विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने भगवानपुर बनकट के पास टक्कर मार दिया। इससे पिकअप चालक गंभीररूप से घायल हो गया। घायल को सीएचसी इकौना से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

जनपद लखनऊ थाना पारा चौकी ग्राम हंसखेड़ा निवासी पिकअप चालक विशाल 22 वर्ष पुत्र ओमप्रकाश मोबाइल टावर का सामान लादकर बहराइच से बलरामपुर की ओर जा रहा था। ग्राम भगवानपुर बनकट प्राइमरी विद्यालय स्कूल के सामने बुधवार सुबह बलरामपुर से बहराइच जाते समय ट्रक ने टक्कर मार दिया।

ट्रक की टक्कर में पिकअप का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और चालक विशाल गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने वाहन चालक को एंबुलेंस से सीएचसी इकौना में लाकर भर्ती कराया। खून से लथपथ चालक की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर बहराइच के लिए रेफर कर दिया।

मेडिकल सुपरिटेंडेंट के नेतृत्व में जांच, तीन सदस्यीय समिति गठित

संवाददाता–गोण्डा। आपरेशन के बाद मरीज को डिस्चार्ज के लिए चार हजार रुपये मांगने के मामले की जांच बाबू ईश्वर शरण अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट के नेतृत्व में कराई जाएगी। प्रधानाचार्य डा धनंजय श्रीकांत कोटास्थाने ने जांच के लिए समिति का गठन कर दिया है। जांच समिति में अस्पताल के नहीं बल्कि मेडिकल कॉलेज के दो अन्य चिकित्सकों को शामिल किया गया है।

झंझरी ब्लॉक के इमिलिया मिश्र गांव निवासी विनोद कुमार ने आरोप लगाया था कि उसने पत्नी पिंकी देवी को शनिवार को मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में भर्ती कराया था। डॉक्टर ने पत्नी के हाथ में गिल्टी का ऑपरेशन कर दिया। रविवार सुबह जब डॉक्टर देखने आए तो पीड़ित ने डॉक्टर से दवाई लिखने के लिए कहा तो अभी कुछ देर में बताता हूं, कहकर चले गए। उसके बाद उनके दो अज्ञात व्यक्ति आए और चार हजार रुपए की मांग की। इस पर उसने जब डॉक्टर से पैसे की जानकारी ली गई तो डॉक्टर ने कहा कि चार हजार रुपए दे दो तब ही डिस्चार्ज किया जाएगा। इस पर पीड़ित ने प्रमुख चिकित्साधीक्षक व चिकित्साधीक्षक को मामले की जानकारी दी। स्वास्थ्य अफसरों के हस्तक्षेप के बाद ही मरीज डिस्चार्ज हो सका। मामला मीडिया में आने के बाद अब प्रधानाचार्य ने जांच समिति का गठन कर दिया है। अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा एम डब्ल्यू खान को जांच समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। जांच समिति के अध्यक्ष डा खान ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के दो अन्य चिकित्सक भी समिति में शामिल किए गए हैं। जल्द ही जांच शुरू की जाएगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

भारत अब अखंड बनने जा रहा है -जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महाराज बुधवार को प्रयागराज से सीधे अयोध्याधाम पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में मत्था टेका। उसके बाद श्रीरामजन्मभूमि जाकर भव्य मंदिर में विराजमान श्रीरामलला सरकार का दर्शन किया। फिर सायंकाल सरयू मैया की आरती सम्मिलित हुए। वहां मां सरयू का दर्शन–पूजन, अभिषेक व आरती की। सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में धर्मसम्राट श्रीमहंत ज्ञानदास महाराज के आश्रम पर मीडिया से मुखातिब होते हुए शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने कहा कि एक दशक बाद मैं अयोध्या आया हूं। इससे पहले भी कई बार यहां आकर रामलला का दर्शन किया है। लेकिन इस बार दिव्य दरबार में विराजमान श्रीरामलला का दर्शन कर कुछ अलग ही आनंद की अनुभूति हो रही है। हमारी और भारत की युवा पीढ़ी का सबसे बड़ा सौभाग्य है कि पांच सौ वर्षों के लंबे संघर्षों बाद श्रीरामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयास, सार्थकता, दृढ़ निष्ठा से ही कम समय में राममंदिर का निर्माण हुआ। तो पीएम नरेंद्र मोदी की दृढ़ आस्था और नीतियों के कारण श्रीरामलला विराजमान हुए। श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने से पूरी दुनिया में सनातनियों का सम्मान बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि हमारी संप्रभुता व संस्कृति की पहचान फिर से वापस आ रही है। हम धर्मगुरू वोग भारत को फिर से विश्व गुरू के पद पर प्रतिष्ठित करने में लगे हैं। भारत देश अखंड बनने जा रहा है। अखंड भारत के 6 देशों में यात्रा कर चुका हूं। जहां के लोगों में भारत के प्रति दिल और दिमाग में निष्ठा–आदर विद्यमान है। जैसे अयोध्याधाम, चित्रकूट, प्रयागराज तीर्थ यहां है। वैसे ही तीर्थ अखंड भारत के उन देशों में विराजमान हुआ करते थे। धर्मगुरु धार्मिक एवं सांस्कृतिक तौर पर अखंड भारत के लिए कार्य कर रहे हैं। सांस्कृतिक व धार्मिक तौर पर भारत को अखंड बनाने के लिए हम यात्रा कर रहे हैं। अखंड भारत के नेपाल, भूटान, श्रीलंका, थाईलैंड, कंबोडिया, बांग्लादेश देशों की यात्रा कर चुका हूं। आगे पाकिस्तान, अफगानिस्तान, तेहरान की यात्रा करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहल करेंगे। देश फिर अखंड बनेगा। भारत विश्व गुरू एवं जगतगुरू कहलायेगा। प्रेसवार्ता में धर्मसम्राट श्रीमहंत ज्ञानदास महाराज के कृपापात्र शिष्य उत्तराधिकारी व संकटमोचन सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास, हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास आदि मौजूद रहे।

भिनगा में साइबर थाने और एटीएस यूनिट का लोकार्पण

संवाददाता–श्रावस्ती। भिनगा में स्थापित साइबर क्राइम थाना और एटीएस यूनिट का मुख्यमंत्री ने वर्चुअल तरीके से लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री का लाइव प्रसारण दिखाया गया। साइबर थाना स्थापित करने से साइबर अपराधों पर अंकुश लगेगा।

वर्तमान समय में साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए शासन की ओर से साइबर अपराधों तथा इनमें लिप्त अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए सभी जिलों में साइबर थानों की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भिनगा में साइबर थाने का वर्चुअल तरीके से लोकार्पण किया। इस थाने में जिले की साइबर अपराध से संबन्धित सभी शिकायतों का पंजीकरण किया जायेगा तथा थाने स्तर से ही विवेचना कर साइबर अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इसके लिए इस थाने में साइबर अपराध की जानकारी रखने वाले पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की गयी है। साइबर क्राइम पुलिस थाना के प्रभारी निरीक्षक की जिम्मेदारी चन्द्रहास मिश्रा को दी गई है।

एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि साइबर थाने का सीयूजी नम्बर 6389983097 है। जिस पर साइबर क्राइम सहायता के लिए सीयूजी नम्बर पर सम्पर्क किया जा सकता है। क्षेत्राधिकारी साइबर सन्दीप कुमार वर्मा का मोबाइल नम्बर 7839000212 है । इसी क्रम में सभी थानों पर साइबर क्राइम हेल्पडेस्क भी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करने के साथ ही साइबर थाना पर शिकायत दर्ज करायें। नवनिर्मित साइबर क्राइम थाना के उद्घाटन के उपरान्त साइबर अपराध से सम्बन्धित एक मामला भी दर्ज किया गया।

बीएससी नर्सिंग के नाम पर 86 छात्रों संग एक करोड़ की ठगी

संवाददाता–बहराइच। नंदा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मासियूटिकल्स साइंस एंड टेक्नॉलोजी की पढ़ाई कर रहे बीएससी नर्सिंग के 86 विद्यार्थियों के साथ फर्जीवाड़ा किया गया है। बिना मान्यता के इन विद्यार्थियों का संस्था के जिम्मेदारों ने प्रवेश लिया। मोटी रकम लेकर फर्जी मार्कशीट थमा दी गई है। विद्यार्थियों ने जब संबंधित यूनिवर्सिटी पर अपना रोल नंबर डालकर जांच किया, तो संस्था के फर्जीवाड़े के खेल ने उनके होश उड़ा दिए। डेढ़ साल पढ़ाई संग एक लाख से अधिक रकम खर्च करने पर हाथ में नकली आने मार्कशीट से विद्यार्थी सकते में हैं। जिले में जगह–जगह निजी इंस्टीट्यूट फैले हुए हैं। यह न केवल उच्च शिक्षा के नाम पर विद्यार्थियों से ठगी कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं। मेडिकल डिग्री के नाम पर विद्यार्थियों के साथ हुए फर्जीवाड़े का मामला शहर से तीन किलोमीटर दूर नानपारा रोड पर संचालित नंदा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मासियूटिकल्स साइंस एंड टेक्नॉलोजी में हुआ है। यहां वर्ष 2022 में 86 विद्यार्थियों ने बीएससी नर्सिंग में प्रवेश लिया था। एक साल बीतने के बाद परीक्षा की सूचना न होने पर विद्यार्थियों ने नाराजगी जताई तो आनन–फानन में कॉलेज में ही परीक्षा कराई। मेन्यूवल प्रवेश पत्र मिलने पर संस्था के फर्जी होने का अंदेशा विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को हुआ। छात्रा अंशिका त्रिपाठी ने बताया कि उस समय बताया गया कि सिंहानिया यूनिवर्सिटी की ओर से देर से परीक्षा कराई गई है।

परीक्षा के कई माह बाद भी परिणाम घोषित नहीं किया गया। छात्रों के विरोध के बाद कंप्यूटर से टाइप सूची को कॉलेज की दीवार पर चस्पा कर दी गई। इसमें कइयों को अनुत्तीर्ण दर्शाया गया, तो उन विद्यार्थियों को उत्तीर्ण दिखाया गया, जो कॉलेज कभी आए ही नहीं। अभिभावकों के एकजुट विरोध पर उन्हें देश भक्त यूनिवर्सिटी पंजाब से जारी मार्कशीट बांटी गई। जब ऑनलाइन जांच किया गया तो मार्कशीट ही फर्जी होने की पुष्टि होने ने विद्यार्थियों के होश उड़ गए। ठगी का शिकार हुए विद्यार्थी व उनके अभिभावक कॉलेज में दौड़ लगा रहे हैं। संस्था की ओर से छात्रों को चुप रहने की नसीहत दी जा रही है।

नंदा यूनिवर्सिटी के लिए यह खेल कोई नया नहीं बल्कि दो साल पहले भी कई विद्यार्थियों की ओर से शिकायत की गई थी, लेकिन शुल्क वापस कर मामले को दबा दिया गया था। इस बार बीएससी नर्सिंग में 86 बच्चों का प्रवेश राजस्थान की सिंहानिया यूनिवर्सिटी में दिखाया गया था। परीक्षा पंजाब की देश भक्त युनिवर्सिटी के माध्यम से कराया गया। अब मार्कशीट सिक्किम युनिवर्सिटी से जारी की गई है। इस खेल ने ही संस्था के फर्जीवाड़े की पोल खोली है। ऐसा भी नहीं है कि रियायती दर पर बीएससी नर्सिंग का शुल्क संस्था ने वसूला हो, बल्कि 90 हजार रुपये प्रति वर्ष की दर से शुल्क जमा कराया गया है। कई अभिभावक तो दो–दो साल के शुल्क एडवांस में जमा कर चुके हैं। इस खुलासे के बाद से ऐसे अभिभावक परेशान हैं। कानूनी कार्रवाई की भी तैयारी हो रही है।

नंदा इंस्टीट्यूटी में बीएससी नर्सिंग में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के साथ हर स्तर पर फर्जीवाड़ा किया गया है। शुल्क प्रतिपूर्ति के नाम पर भी फर्जी आवेदन जमा कराए गए। पोल खुलने से बचाने के लिए आवेदन कॉलेज के माध्यम से ही कराए गए। समाज कल्याण विभाग में जब शुल्क प्रतिपूर्ति को लेकर छात्रों ने संपर्क किया, तो पता चला कि इस संस्था के नाम से कोई आवेदन ही नहीं आया है। रवींद्र यादव, बीएससी नर्सिंग ने कहा कि हम लोगों के साथ धोखा हुआ है। दो साल बर्बाद कर दिया गया है। अब सिक्किम स्टेट की मार्कशीट दे रहे हैं। परीक्षा देश भक्त यूनिवर्सिटी से कराई गई। प्रवेश सिंहानिया यूनिवर्सिटी में किया गया। उजैफा, बीएससी नर्सिंग छात्रा ने कहा कि बीएससी नर्सिंग के सपने टूट गए हैं। ज्यादा शुल्क लेने के बाद नंदा इंस्टीट्यूट की ओर से हम लोगों का कैरियर बर्बाद किया गया है। इसकी शिकायत डीएम से की जाएगी।

माशंकर गुप्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि नंदा इंस्टीट्यूट में बीएससी नर्सिंग की मान्यता ही नहीं है। इस नाम से कोई भी आवेदन उनके पोर्टल पर अंकित तक नहीं है। प्रथम दृष्ट्या पूरा प्रकरण फर्जी लग रहा है। इस मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। नरेंद्र कुमार पांडेय, डीआईओएस, ने कहा कि फर्जी तरीके से बीएससी नर्सिंग में प्रवेश व अनाधिकृत मार्कशीट जारी करने का प्रकरण सामने आया है। जिसके संबंध में संबंधित संस्था से जानकारी मांगी गई है। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

कार्यालय नगर पंचायत, नगर बाजार, बस्ती।

ई-निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ठेकेदारों को किया जाता है कि नगर पंचायत गनेशपुर, बस्ती में 15वॉ वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित निर्माण कार्य कराया जाना है. जिसके लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य से सम्बंधित निविदा प्रपत्र बेबसाईट htts tender.up.ac.in पर उपलब्ध होगी। बेबसाईट पर उपलब्ध निविदा नोटिस में धरोहर धनराशि निविदा डालने की तिथि समय कार्य करने की अवधि एवं निविदा लागत तथा निविदा के विस्तृत नियम एवं शर्तो का उल्लेख किया गया है. जिसका विवरण निम्नवत् हैः–

क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी०एस०टी० सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	नगर पंचायत गनेशपुर अन्तर्गत वार्ड 10 पटेल नगर में विरेन्द्र चौधरी के मकान से दिनेश चौधरी के मकान से नाला तक सी०सी० सड़क का निर्माण।	4,43,117.00	44,311.00	550.00	3 माह
2	नगर पंचायत गनेशपुर में एम०आर०एफ० सेन्टर की बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	13,72,164.00	1,37,216.00	1650.00	3 माह
3	नगर पंचायत गनेशपुर धोबहिया में आगनवाड़ी केन्द्र में टाइल, रैम्प शौचालय का निर्माण कार्य।	9,40,754.00	94,075.00	1150.00	3 माह

ई–निविदा (टेक्निकल एवं फाइनेन्शियल) निम्नलिखित विवरण के अनुसार वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर आनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय नगर पंचायत गनेशपुर बस्ती से कार्यालय समय एवं कार्य दिवस पर प्रस्तुत की जा सकती है।

क्रमांक	वेबसाइट पर ई–निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	तिथि	समय
1	ई–निविदा डाउनलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	01–03–24	13:00 बजे
2	ई–निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	01–03–24	13:00 बजे
2	ई–निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	07–03–24	13:00 बजे
4	ई–निविदा खोलने की तिथि/समय	07–03–24	14:00 बजे

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत गनेशपुर
बस्ती।

अध्यक्ष
नगर पंचायत गनेशपुर
बस्ती।

पत्रांक 711/ न0पं0गनेशपुर/2023–24

दिनांक 27–02–2024

पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाले चार गिरफ्तार

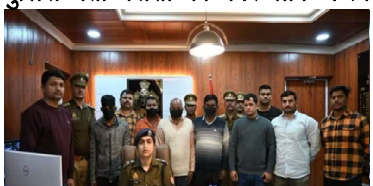

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। एसओजी, सर्विलांस सेल, एसटीएफ युनिट गोरखपुर व इटवा पुलिस ने बुधवार को पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाले चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से अभ्यर्थियों की मार्कशीट, पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रवेश पत्र, अभ्यर्थियों की ओर से दिए गए ब्लैंक चेक, मोबाइल फोन, लैपटाप आदि बरामद हुआ है। आरोपितों में तीन देवरिया जिले के व एक पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले का रहने वाला है।

17 व 18 फरवरी को जिले के 22 केंद्रों पर पुलिस भर्ती परीक्षा हुई थी। इस दौरान विभिन्न केंद्रों से 10 साल्वर, अभ्यर्थी व मीडिएटर पकड़े गए थे। एसपी प्राची सिंह ने एसओजीः सर्विलांस सेल व इटवा पुलिस की एक विशेष टीम का गठन कर साल्वरध्पेपर लीक गैंग के मुख्य सरगना की गिरफ्तारी के लिए निर्देशित किया था। एसपी के निर्देश के बाद टीम सक्रिय हो गई थी। 28 फरवरी यानी बुधवार को इटवा पुलिस, एसओजी व सर्विलांस सेल टीम व एसटीएफ यूनिट गोरखपुर की टीम ने पेपर लीक करने वाले चार आरोपितों को नेपाल सीमा के करीब कोटिया बाजार जोवकुंडा मोड एसएसबी कैंप रोड से गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों में तीन देवरिया जिले के व एक पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले का रहने वाला है।

विट्टू कुमार यादव पुत्र विद्या यादव उर्फ विद्या राय ग्राम जेलिया पाढा, थाना गोला बाड़ी जिला हावड़ा पश्चिम बंगाल, संजय कुमार गौंड़ पुत्र शारदा प्रसाद गौंड़ निवासी कैलानी, थाना मईल जनपद देवरिया, नटराज प्रजापति पुत्र सुद्धु ग्राम विन्दवलिया मिश्र, थाना भटनी जनपद देवरिया, जितेन्द्र कुमार भारती पुत्र स्व. सुरेश निवासी ग्राम धनगड़ा, थाना सलेमपुर जनपद देवरिया को गिरफ्तार किया है

आरोपितों के पास से विभिन्न अभ्यर्थियों के 32 मार्कशीट, एक प्रमाणपत्र, 14 ब्लैंक चेक, तीन चेकबुक, पासबुक दो, स्टाम्प सात, इकरारनामा दो, उप्र पुलिस भर्ती परीक्षा एप्लीकेशन फार्म तीन, प्रवेशपत्र एक, मोबाइल छह, एक लैपटाप चार्जर सहित, छह एटीएम कार्ड, एक श्रमकार्ड, एक पैनकार्ड, 10 आधारकार्ड, पहचानपत्र दो, रेलवे टिकट नौ बरामद हुए। प्रभारी निरीक्षक इटवा संतोष कुमार तिवारी, एसटीएफ गोरखपुर यूनिट के निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह, एसओजी प्रभारी शेषनाथ यादव, प्रभारी सर्विलांस सेल सुरेन्द्र सिंह, थाना इटवा से एसआई रमेश कुमार साहनी, रमाकांत सरोज, सर्वेश चन्द्र, आरक्षी विजय यादव, मनीष यादव, एसओजी के हेड कांस्टेबल राजीव शुक्ल, विरेन्द्र त्रिपाठी, कांस्टेबल छविराज यादव, सत्येन्द्र कुमार, रोहित चौहान, व सर्विलांस सेल के हेड कांस्टेबल जनार्दन प्रजापति, कांस्टेबल अभिनन्दन सिंह, हिन्दे आजाद शामिल रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा में पेपर लीक कराने के मामले में पकड़े गए आरोपित तीन लाख रुपये लेकर परीक्षा से दो घंटे पहले परीक्षा की उत्तर कुंजी उपलब्ध कराते हैं। आरोपितों ने बताया कि वे एक अभ्यर्थी से 20 हजार से 50 हजार रुपये तक एडवांस लेते हैं। परीक्षा पास होने पर तीन—तीन लाख रुपये लेते हैं। पुलिस के पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि आरोपित जितेन्द्र कुमार भारती तीन लाख रुपये व अभ्यर्थी से गारंटी के रूप में मूल मार्कशीट, ब्लैंक चेक लेकर साल्वर व अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले वाट्सअप से परीक्षा की उत्तर कुंजी उपलब्ध कराता है। जितेन्द्र कुमार भारती ने बताया कि उसने अभ्यर्थियों से 20 हजार से 50 हजार रुपये तक एडवांस व अंकपत्र, प्रवेश—पत्र की छायाप्रति, ब्लैंक चेक लेकर पुलिस भर्ती परीक्षा से पूर्व अभ्यर्थियों, साल्वरों के वाट्सअप पर उत्तरकुंजी उपलब्ध कराया था। जितेन्द्र ने बताया कि उसको प्रश्नपत्र की उत्तर कुंजी संजय गौंड़ व बिट्टू यादव ने परीक्षा से दो घंटे पूर्व वाट्सअप पर उपलब्ध कराया था। बिट्टू यादव ने बताया कि उसको प्रश्नपत्र की उत्तर कुंजी छपरा बिहार के रहने वाले अनूप पाण्डेय ने वाट्सअप पर भेजा था। संजय ने बताया कि नटराज प्रजापति ने मुझे प्रश्नपत्र की उत्तर कुंजी उपलब्ध कराई थी। नटराज ने बताया कि मुझे वाट्सअप पर प्रश्न पत्र की उत्तर कुंजी संजय ने उपलब्ध कराया था। आरोपितों ने बताया कि हमलोग अभ्यर्थियों से पैसा, ब्लैंक चेक, मार्कशीट गारंटी के रूप में पहले से ही रख लेते हैं। परीक्षा पास होने पर तीन—तीन लाख रुपये लेने की डील हुई थी।

प्राची सिंह, एसपी ने कहा कि 17 व 18 फरवरी को पुलिस भर्ती परीक्षा हुई थी। इसमें जिल से 10 साल्वरध्अभ्यर्थी पकड़े गए थे। इसमें कई और लोग जुड़े थे। एसओजी, सर्विलांस, थानों की पुलिस की एक विशेष टीम बनाई थी। टीम ने बहुत काम किया है। इसमें हमने एटीएफ यूनिट गोरखपुर की भी मदद ली है। चार लोगों को मामले में गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 32 मार्कशीट, प्रमाणपत्र, पासबुल, मोबाइल, लैपटॉप आदि बरामद हुआ है। इनसे पूछताछ की जा रही है। धारा 419,420,467,468,471,120(ठ) भादवि व 6ध10 उप्र सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम का अपराध इन्होंने किया है। आगे इन पर गैंगेस्टर की कार्रवाई भी की जाएगी।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने रामजानकी मार्ग किया जाम

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील क्षेत्र के बदहाल लोहरैया—बनकटा मार्ग के निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने बुधवार को लोहरैया चौराहे पर रामजानकी मार्ग को जाम कर दिया। इसके चलते लोहरैया चौराहे पर दोनों तरफ वाहनों की लम्बी कतारें लग गई। जाम की सूचना पर लोहरैया पुलिस चौकी इंचार्ज रजनीश राय व पुलिसकर्मी पहुंच गए। चक्का जाम कर रहे आक्रोशित ग्रामीणों को हटाने लगे लेकिन ग्रामीण हटने का नाम नहीं ले रहे थे। पुलिस के जोर पर उग्र ग्रामीणों में नोकझोंक होने लगी। एसडीएम के आने के बाद आश्वासन देने पर ग्रामीणों ने जाम हटाया।

धनघटा तहसील क्षेत्र के बदहाल लोहरैया—बनकटा मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने दो दिन पहले एसडीएम को पत्र सौंपा था। पत्र में कहा था कि इस पर कोई निर्णय न लेने पर बुधवार को रामजानकी मार्ग जाम कर विरोध करेंगे। लोहरैया—बनकटा मार्ग से आवागमन करने वाले क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीण बुधवार को लोहरैया चौराहे पर जुटे। मार्ग जाम कर नारेबाजी करने लगे। इसके चलते दोनों तरफ जाम लग गया। जाम की सूचना पर पहुंचे लोहरैया पुलिस चौकी इंचार्ज रजनीश राय व पुलिसकर्मी ग्रामीणों को हटाने लगे। इस पर ग्रामीणों ने कहा कि जब तक अधिकारी नहीं आएंगे तब तक हम सड़क से नहीं हटेंगे। पुलिस के मुकदमा दर्ज करने की भी धमकी देने पर भी कोई पीछे नहीं हटा। करीब आधे घंटे बाद एसडीएम व थाना अध्यक्ष धनघटा भी मौके पर पहुँच गए। आक्रोशित ग्रामीणों को समझा—बुझा कर सड़क बनवाने का आश्वासन दिया। कहा कि इस सड़क के बारे में ऊपर रिपोर्ट बनाकर भेजेंगे। मैं कोशिश करूंगा कि 6 महीने में निर्माण शुरू हो जाए। तब जाकर ग्रामीणों ने जाम व धरना समाप्त किया।

अयोध्या जा रहे हैं तो रहें सावधान, ठगों ने ऐसे पग-पग पर बिछा रखा जाल

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण—प्रतिष्ठा के बाद यहां उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ उनकी व्यग्रता दर्शाती है। भारत जैसे धर्म प्राण देश में यह बहुत स्वाभाविक भी है। फिर भी आंकड़ों के खेल में शामिल व्यवस्था के लिए बेहद शर्मनाक स्थिति यह है कि यहां ठग सक्रिय हो गए हैं और रामलला के लिए लालायित यह श्रद्धालु पग—पग पर ठगे जा रहे हैं। हाल में पुलिस प्रशासन ने बिहार के एक गिरोह का पर्दाफाश किया जो कि चौन स्नैचिंग के जरायम से जुड़ा है। दूसरी ओर भोजन—आवास और यातायात के साथ—साथ दर्शन के लिए हो रही अवैध उगाही पर भी अंकुश के लिए कोई तंत्र नहीं है।

हाल यह है कि जिस किसी को मौका मिल रहा है वह श्रद्धालुओं को ठगने से नहीं चूक रहा है। होटल व धर्मशालाओं की बुकिंग कराने वालों को साइबर ठग चूना लगा रहे हैं। बिड़ला धर्मशाला की अपनी कोई वेबसाइट नहीं है फिर भी बिड़ला धर्मशाला के नाम पर अब तक दो दर्जन से अधिक श्रद्धालुओं को ठगा जा चुका है। धर्मशाला के मैनेजर

मानते भी हैं और बताते हैं कि उन्होंने इसकी लिखित शिकायत भी की है क्योंकि इससे संस्थान की बदनामी राम नगरी में राम पथ पर जिला प्रशासन ने गोल्फ कार्ट का ठेका दे दिया है और इनके रेट भी फिक्स है। इसके साथ इलेक्ट्रिक बसों का भी प्रबंध है लेकिन यह बसें भीड़ के बीच यथोचित सेवाएं नहीं दे पा रही है। इसके कारण ई—रिक्शा चालकों की पौ बारह हो गयी है और यह मनमानी पर उतर आए हैं और बेहिसाब किराया वसूल रहे हैं। सौ—दो सौ इनके आंख में लगती ही नहीं हजारों की बात करते हैं। उस पर भी टूटे—फूटे रास्तों पर सवारियों का रिस्क भी उनका अपना है। हर गली—कूचे में इनकी मौजूदगी है। बताया जा रहा है कि आसपास के जनपदों से हजारों की संख्या में आए ई—रिक्शा चालकों की करतूतों से स्थानीय चालक भी परेशान हैं । इन लोगों का रैकेट मंदिर परिसर तक फैल गया है और वह दर्शनार्थियों को वीवीआईपी रास्ते से ले जाकर मोबाइल से फोटो शूट की गारंटी देकर वसूली कर लें रहे हैं। इस खेल में वर्दी धारी भी शामिल हैं लेकिन शिकायतों के बाद भी इन्हें चिह्नित नहीं किया जा सका है।

साइबर थाना प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि गलत वेबसाइट से होटल बुक कराने वाले व साइबर फ्रॉड करने वाले दोनों अयोध्या से दूर दूसरे प्रांत के हैं। इसलिए अपराधियों को पकड़ने में कुछ दिक्कतें आ रही हैं । मगर इस पर कार्रवाई भी लगातार की जा रही है। फर्जी वेबसाइटों को सर्च करके उन्हें तुरंत बंद करवाया जा रहा है। गूगल से भी कहा गया है कि सत्यापन करके ही वेबसाइट को पब्लिश करें। साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा उपाय है। होटल की अधिकृत वेबसाइट पर ही कमरा बुक कराएं।

प्रसव में लापरवाही का लगाया आरोप, नवजात शिशु की मौत

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिला के सेमरियावां ब्लॉक के बिगरा अव्वल निवासी एक प्रसव पीड़ित महिला की सास ने प्रसव के दौरान चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया। महिला का आरोप है कि प्रसव के बाद लापरवाही के चलते नवजात शिशु की मौत हो गई। चिकित्सकों ने सही से काम नहीं किया। इस घटना के बाद परिजनों ने घंटे भर हो हल्ला मचाया। प्रसूता की सास मेहरुन्निशा ने बताया मेरी पतोह फरीदा खातून (26) पत्नी अहमद कयूम को प्रसव पीड़ा होने के बाद हम लोगों ने सीएचसी सेमरियावां में सुबह लगभग छह बजे भर्ती कराया। भर्ती के लगभग चालीस मिनट बाद नार्मल डिलेवरी से शिशु का जन्म का हुआ। सास ने आरोप लगाया दिन में करीब 12 बजे नवजात शिशु की हालत बिगड़ने लगी। मेहरुन्निशा ने स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बच्चे के जन्म के पूर्व स्वास्थ्य कर्मियों ने बाहर से लगभग दो हजार की सूई, दवाई मंगाई। सही उपचार न होने नवजात शिशु की मृत्यु हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में हो—हल्ला मचाए। लापरवाही करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। घटना की सूचना पर पहुंचे आसपास के लोगों के समझाने के बाद परिजन शांत हुए। परिजनों ने स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक से जांच कर कार्रवाई की मांग की। सीएचसी अधीक्षक सेमरियावां डा. सुरेश चन्द्रा ने बताया कि मामले की जानकारी है। परिजनों की ओर से लिखित शिकायत मिलेगी तो निश्चित तौर पर जांच होगी। लापरवाही करने वाले स्वास्थ्य कर्मी के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

ओपीडी में पर्ची के लिए खुला एक अलग काउंटर

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिला अस्पताल में इन दिनों मरीजों की अधिक भीड़ हो रही है। इससे सबसे अधिक महिला मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। ओपीडी पर्ची कटवाने के लिए लोगों को दो से तीन घंटे का समय लगा जा रहा है। इस परेशानी को देखते हुए अस्पताल में एक अलग काउंटर खोला गया है, जहां पर मरीजों की ओपीडी पर्ची काटी जा रही है। सीएमएस डॉ. भवनाथ पांडेय ने बताया कि मरीजों की अधिक भीड़ होने से लोगों को ओपीडी पर्ची लेने में मरेशानी हो रही थी। बिना इस पर्ची के मरीजों का उपचार शुरू ही नहीं होता है। ऐसे में इस परेशानी को देखते हुए अस्पताल के हॉल में अलग से एक काउंटर खोला गया है। अब यहां पर ओपीडी पर्ची काटी जाएगी। इससे लोगों का समय बचेगा, साथ ही अन्य समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

रोजगार मेले में 82 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। बसखारी विकास खंड के सुल्तानपुर कबीरपुर स्थित हाजी अब्दुल्ला महिला पीजी कॉलेज परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में 126 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिसमें 82 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस दौरान चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

कौशल विकास मिशन, जिला सेवायोजन व राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दीन दयाल उपाध्याय ग्रीमण कौशल्य योजना के तहत आयोजित रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष रफत एजाज व कौशल विकास मिशन के जिला प्रबंधक ने भाग लिया। जिला कौशल प्रबंधक ने अतिथियों को बुकें भेंट कर व दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का शुभारम्भ किया। मेले में अभ्यर्थियों को अवगत कराया गया कि ग्रामीण कौशल योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शुमार है। योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धन परिवारों के 15 से 35 वर्ष के पुरुष व 15 से 45 वर्ष की महिलाओं को निःशुल्क व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है।

ओवरलोड होने के कारण बदले गए 1070 ट्रांसफार्मर

संवाददाता—संतकबीरनगर। बिजली का अधिक उपयोग करने के कारण ट्रांसफार्मर आए दिन ओवर लोड होने से जल जा रहे है। इससे न केवल उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं वरन विभाग भी परेशान हो रहा है। जिले में इस वित्तीय वर्ष में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में 1070 ट्रांसफार्मर जल चुके हैं। बहरहाल इस व्यवस्था को दुरुस्त करने में विभाग लगा हुआ है। गर्मी में लोगों को भरपूर बिजली मिले इसकी तैयारी चल रही है। शासन से इसके लिए धन की मांग की गई है। विद्युत आपूर्ति को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए जिले को दो डिवीजन में विभाजित किया गया है। इनमें खलीलाबाद व मेहदावल को अलग—अलग बिजली की आपूर्ति के लिए अलग—अलग जिम्मेदारी दी गई है। अब गर्मी आने वाली है। इस मौसम में ट्रांसफार्मरों पर लोड इतना बढ़ जाता है कि वह लोड नहीं ले पाते हैं। जिनके घर पर दो किलोवाट का कनेक्शन रहता है वह उससे अधिक की बिजली का प्रयोग करते हैं। इतना ही नहीं कटिया कनेक्शनधारी भी विभाग की हालत खस्ता करने में लगे हैं। गर्मी में लोग अपने घरों में कूलर, एसी, फ्रिज, पंखा आदि का प्रयोग करेंगे।

इसमें अधिक बिजली की खपत होगी। इसका सीधे भार ट्रांसफार्मर पर ही पड़ता है जिसके कारण वह लोड नहीं उठा पाते हैं और ये जल जाते हैं। लेकिन इस समस्या से निजात पाने के लिए विभाग शासन से विभिन्न योजनाओं के तहत कार्य कराने के लिए प्राकलन तैयार कर रहा है। जिससे कई जगहों पर नए ट्रांसफार्मर के अलावा नई लाइन व जर्जर तारों को भी बदला जाय । जिससे उपभोक्ताओं को समस्या न हो। अधीक्षण अभियंता रमेश सिंह ने बताया कि ट्रांसफार्मरों को बदलने, क्षमतावृद्धि के अलावा कुछ स्टेशन के भार को बढ़ाने के लिए प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। गर्मी में उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके तैयारी में हमारा विभाग लगा है।

प्रदर्शनी में दिखी बाल वैज्ञानिकों की सोच

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर के राजग्लोबल एकेडमी खलीलाबाद में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय के छोटे—छोटे बच्चों द्वारा फैशन ड्रेस कम्पटीशन का आयोजन हुआ तथा सभी क्लास के बच्चों ने अनेक गानों पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी अभिभावकों का मन मोह लिया। विद्यालय के बच्चों ने प्रदर्शनी में देश के मैप और विभिन्न प्रदेशों के बारे में बताया। इसके अलावा अलग—अलग प्रदेश के प्रसिद्ध पकवान भी बनाए गए। इसके अलावा विभिन्न मॉडल के जरिए वैज्ञानिक सोच को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। प्रधानाचार्या सोसी जैकब ने सभी अभिभावकों के समक्ष पूरे वर्ष में विद्यालय की उपलब्धियों को बताया और आगामी वर्ष में होने वाले नए कार्यों का की रूपरेखा रखी। विद्यालय की कार्यकारी निदेशिका सीमा सिंह ने अभिभावकों के स्वागत भाषण के साथ—साथ पूरे वर्ष में विद्यालय के विभिन्न क्रियाक्लापों में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रतीक चिन्ह भेंट किया। उप प्रबंधक समीर सिंह ने बच्चों को निरंतर आगे बढ़ाने की कामना के साथ—साथ देश के विभिन्न कोनों में जाकर विद्यालय परिवार व अपने अभिभावकों का नाम रोशन करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन कक्षा नौवी की छात्रा कीर्ति राय और छात्र त्रयंबकेश्वर ने किया।

बिजली बिल के बकायेदारों के खिलाफ अभियान तेज , घरों और प्रतिष्ठानों पर पहुंचेंगे थाना प्रभारी

संवाददाता—गोरखपुर। कुल बकाया 478 करोड़ 61 लाख रुपये है। इन उपभोक्ताओं ने एकमुश्त समाधान योजना में भी रुपये जमा करने के लिए पंजीकरण नहीं कराया है। उपभोक्ताओं से रुपये जमा कराने के लिए बिजली निगम के अभियंता और कर्मचारी कई बार प्रयास कर चुके हैं लेकिन कोई फायदा नहीं हो रहा है। अब बिजली निगम ने पुलिस की धमक दिखाकर रुपये वसूलने की रणनीति बनायी है। बकायेदारों से बिल जमा कराने के लिए बिजली निगम अब पुलिसकर्मियों को भेजेगा। बिजली निगम की विजिलेंस टीम को एक लाख या इससे ज्यादा के बकायेदारों से वसूली की जिम्मेदारी दी गई है। विजिलेंस के अवर अभियंता (जेई) और प्रभारी निरीक्षक सिपाहियों के साथ बकायेदार के घर पहुंचेंगे। बकायेदारों से तत्काल भुगतान को कहेंगे।यदि भुगतान नहीं हो पा रहा है, तो उपभोक्ता का कनेक्शन काटकर सूचना संबंधित उपकेंद्र को देंगे। बकाया जमा होने तक कनेक्शन का पर्यवेक्षण भी किया जाएगा। बिजली निगम के गोरखपुर जोन प्रथम और गोरखपुर जोन द्वितीय में 25 हजार 709 उपभोक्ता ऐसे हैं जिन पर एक लाख रुपये से ज्यादा का बकाया है। इन पर कुल बकाया 478 करोड़ 61 लाख रुपये है। इन उपभोक्ताओं ने एकमुश्त समाधान योजना में भी रुपये जमा करने के लिए पंजीकरण नहीं कराया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं किरन पत्नी श्री अरुण कुमार ग्राम बड़ेबन पटेल नगर थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती की निवासिनी हूँ। मेरा D.ED.SE-ID- IInd year का मार्कशीट SL.NO.RCI/NBER/NIEPMD/ 2016—18 / 118010. 171, PRN नं0 231617106 है जो रास्ते में कही गिर गया। यदि किसी को प्राप्त हो तो उपलब्ध कराकर सहयोग करें।

मो0 नं. 9839807702

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मुकदमा सं0
अदालत— श्रीमान चकबन्दी अधिकारी हर्रैया द्वितीय जिला—बस्ती

संतोष कुमार
बनाम
सरकार

1. अशोक कुमार 2. अखिलेश कुमार 3. अवनीश पुत्रगण स्व0 ब्रम्हदेव 4. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी स्व0 ब्रम्हदेव साकिन कूरढ़ापट्टी दरियांव तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 14—03—2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 14 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 28 माह 02 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 186 / 1986
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

जटाशंकर
बनाम
उदयराज आदि

1 / 2 राधिका देवी उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी रमाकान्त मिश्र साकिन अतरीनानकार तप्पा भीर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल पो0 मेहदूपार जनपद संतकबीरनगर 1 / 2 सूर्यमती देवी उम्र लगभग 35 वर्ष पत्नी राधेश्याम त्रिपाठी साकिन पोसनार तप्पा व पो0 गोपालपुर तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 1 / 3 लालमती देवी उम्र लगभग 30 वर्ष पत्नी वीरेन्द्र मिश्र साकिन बेलौहा बाजार बाम्बेइलक्ट्रीक्लस तप्पा खेसराहा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी पो0 दलदला जनपद सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 04—03—2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **04—03—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 127 / 2018
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

अनारकली
बनाम
रामसेवक

1. राम कुमार 2. राधेश्याम 3. शिव कुमार पुत्रगण रामखेलावन साकिन मौजा रेहरा तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 22—03—2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **22—03—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 24 / 2023
अमरजीत सिंह —सायल

1. अमरजीत सिंह उम्र 56 साल पुत्र श्यामनरायन सिंह साकिन अकवारा तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 16—03—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 16—03—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 365 / 2023
साधू लाल —सायलान

1. साधूलाल पुत्र रामलखन 2. वीरेन्द्र 3. राघवेन्द्र 4. अरविन्द 5. कुलदीप पुत्रगण साधूलाल 6. अंजली पुत्री साधूलाल 7. भीमसेन पुत्र साधूलाल साकिनान ग्राम पावड़ तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—03—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 18—03—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com